

---

# Shri Annapurna Ashtottarashatanama Stotram

श्रीअन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Annapurna Ashtottarashatanamastotram

File name : annapUrNASHtTottaraShatanAmastotram.itx

Category : aShTottaraShatanAma, devii, pArvatI, annapUrNA, stotra, devI

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Transliterated by : Gopal Upadhyay gopal.j.upadhyay at gmail.com

Proofread by : Gopal Upadhyay, NA

Description-comments : shrIbrahmottarakhaNDe AgamapryakhyAtishivarahasye. Also shrIshivarahasyam  
| ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 29 shivagaurIsaMvAde kAshIprabhAvakathanam | 628-645||

Latest update : May 2, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Annapurna Ashtottarashatanama Stotram

---

## श्रीअन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

---



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीअन्नपूर्णाविश्वनाथाभ्यां नमः ॥

अस्य श्रीअन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रमन्त्रस्य

भगवान् श्रीब्रह्मा ऋषिः ।

अनुष्टुप्छन्दः । श्रीअन्नपूर्णाेश्वरी देवता ।

स्वधा भीजम् । स्वाहा शक्तिः । ॐ कीलकम् ।

मम सर्वाभीष्टप्रसादसिद्ध्यर्थे पाठे विनियोगः ।

ॐ अन्नपूर्णा शिवा देवी भीमा पुष्टिसरस्वती ।

सर्वज्ञा पार्वती दुर्गा शर्वाणी शिववल्लभा ॥ १ ॥

वेदवेद्या मडाविद्या विद्यादात्री विशारदा ।

कुमारी त्रिपुरा आला लक्ष्मीश्रीर्भयदारिणी ॥ २ ॥

भवानी विष्णुजननी ब्रह्मादिजननी तथा ।

गणेशजननी शक्तिः कुमारजननी शुभा ॥ ३ ॥

भोगप्रदा भगवती भक्ताभीष्टप्रदायिनी ।

भवरोगहारा भव्या शुभा परममङ्गला ॥ ४ ॥

भवानी यञ्चला गौरी चारुचन्द्रकलाधरा ।

विशालाक्षी विश्वमाता विश्ववन्द्या विलासिनी ॥ ५ ॥

आर्या कल्याणनिलया रुद्राणी कमलासना ।

शुभप्रदा शुभावर्ता वृत्तपीनपयोधरा ॥ ६ ॥

अम्बा संडारमथनी मृडानी सर्वमङ्गला ।


विष्णुसंसेविता सिद्धा ब्रह्माणी सुरसेविता ॥ ७ ॥

परमानन्ददा शान्तिः परमानन्दरूपिणी ।

परमानन्दजननी परानन्दप्रदायिनी ॥ ८ ॥  
 परोपकारनिरता परमा भक्तवत्सला ।  
 पूर्णायन्द्राभवदना पूर्णायन्द्रनिभांशुका ॥ ९ ॥  
 शुभलक्ष्णसम्पन्ना शुभानन्दगुणार्णवा ।  
 शुभसौभाग्यनिलया शुभदा य रतिप्रिया ॥ १० ॥  
 यज्ञिउका यज्ञमथनी यज्ञदर्पनिवारिणी ।  
 मार्ताण्डनयना साध्वी यन्द्राग्निनयना सती ॥ ११ ॥  
 पुण्डरीकधरा पूर्णा पुण्यदा पुण्यरूपिणी ।  
 मायातीता श्रेष्ठमाया श्रेष्ठधर्मात्मवन्दिता ॥ १२ ॥  
 असृष्टिस्सङ्गरहिता सृष्टिहेतुः कपर्दिनी ।  
 वृषारूढा शूलहस्ता स्थितिसंसारकारिणी ॥ १३ ॥  
 मन्दस्मिता स्कन्दमाता शुद्धचित्ता मुनिस्तुता ।  
 महाभगवती दक्षा दक्षाध्वरविनाशिनी ॥ १४ ॥  
 सर्वार्थदात्री सावित्री सदाशिवकुटुम्बिनी ।  
 नित्यसुन्दरसर्वाङ्गी सञ्चिदानन्दलक्षणा ॥ १५ ॥  
 नाम्नामष्टोत्तरशतम्भायाः पुण्यकारणम् ।  
 सर्वसौभाग्यसिद्धयर्थं जपनीयं प्रयत्नतः ॥ १६ ॥  
 ऐतानि दिव्यनामानि श्रुत्वा ध्यात्वा निरन्तरम् ।  
 स्तुत्वा देवीञ्च सततं सर्वान्कामानवाप्नुयात् ॥ १७ ॥  
 ॥ इति श्रीब्रह्मोत्तरभाष्ये आगमप्रख्यातिशिवरहस्ये  
 श्रीअन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by Gopal Upadhyay

Proofread by Gopal Upadhyay, NA

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

